वनवासी कल्याण केन्द्र, झारखंड द्वारा प्रकाशित

श्रद्धा

त्रैमासिक पत्रिका

वर्ष : 23 ◆◆◆ अप्रैल – जून : 2024 ◆◆◆ अंक : 42

वर्ष प्रतिपदा एवं सरहूल पर्व पर हम संकल्प करें

ऋतुओं का राजा बसंत पहले से उपस्थित होकर वर्ष प्रतिपदा और सरहूल पर्व का स्वागत बड़े धूमधाम से करता है. पेड़ -पौधों के कोमल रंगीन पत्ते, रंग बिरंगे फूल-फल, पशु-पक्षियों के चहचहाहट भरे उमंग, किसानों के मुस्कान, बच्चों के मधुर उल्लास और चंचलता से धरती माता सज संवर जाती हैं. उसी तरह सनातन (हिंदू) धर्म में नववर्ष एवं सरहूल उत्सव आने पर जीवन में उत्साह, उमंग से नई ऊर्जा उत्पन्न हो जाती है.

वर्ष प्रतिपदा से शुभ कार्य प्रारंभ हो जाते हैं. सरहूल के तुरंत बाद कृषि कार्य और नए फसलों की कटाई होने लगती है. सरहूल के दिन गांव के पाहन सूर्य देवता और धरती माता की पूजा कर सभी के लिए मंगलकामना करते हैं.

इस अवसर पर हम भी संकल्प करें कि

- हम अपने गांव/शहर को विकसित करेंगे,
- गुलामी के प्रतीकों को गांव, नगर, समाज से मुक्त करेंगे,
- अपने सनातन विरासत पर गर्व करेंगे,
- सदैव एकजूट रहेंगे,
- सामाजिक समरसता लाएंगे,
- स्वदेशी वस्तुओं एवं स्व मातृभाषा का प्रयोग करेंगे तथा मातृभाषा में हस्ताक्षर करेंगे,
- पर्यावरण, पेड़ -पौधों की सुरक्षा करेंगे और प्लास्टिक उपयोग बंद करेंगे,
- परिवार को संस्कार युक्त रखेंगे,
- नागरिक शिष्टाचार एवं कर्तव्य का पालन करेंगे।

चैत्र शुक्ल वर्ष प्रतिपदा नवसंवत्सर, सरहूल पर्व आप सबके व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक, धार्मिक, आध्यात्मिक जीवन में सुख, शांति और समृद्धि दे यही मंगल शुभकामनाएं...

सत्येन्द्र सिंह
राष्ट्रीय अध्यक्ष, वनवासी कल्याण आश्रम

जनजाति समाज के सर्वांगीण विकास के लिए सेवारत वनवासी कल्याण आश्रम का स्थापना दिवस मनाया गया

राँची : वनवासी कल्याण आश्रम की स्थापना 26 दिसम्बर 1952 को छत्तीसगढ़ के जशपुर में हुई थी. स्थापना दिवस के अवसर पर वनवासी कल्याण केंद्र के सभी प्रकल्प स्थानो और केन्द्रों पर कार्यक्रम आयोजित किये गये.

26 दिसम्बर को राँची मुख्यालय में भी स्थापना दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री विनोद उपाध्याय जी ने अपने संबोधन में कहा कि ये वनवासी कल्याण आश्रम का 71वां स्थापना दिवस है. आज ही के दिन 1952 में जशपुर में पूज्य बालासाहब देशपांडे जी के द्वारा वनवासी कल्याण आश्रम की स्थापना की गई थी और आज ही के दिन

संस्थापक बालासाहब देशपांडे जी का जन्मदिन भी है. बालासाहब देशपांडे जी का जन्म और कल्याण आश्रम का स्थापना दिवस

एक ही तिथि को होना, ये संयोग ईश्वरीय कार्य की पहचान है.

अध्यक्ष डॉ. सुखी उरांव जी ने कहा कि बालासाहबजी की प्रेरणा से प्रतिकूल परिस्थिति में स्थापित वनवासी कल्याण आश्रम आज सम्पूर्ण देश में जनजाति समाज के धर्म-संस्कृति-परम्परा, रीति-रिवाज का संरक्षण करते हुए उनके सर्वांगीण विकास के लिए सेवारत है.

इस अवसर पर डॉ. एच.पी. नारायण जी ने कहा कि जब हमारा देश आजाद हुआ था तब मध्य क्षेत्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री पंडित रविशंकर शुक्ला कुनकुरी क्षेत्र में स्वागत कार्यक्रम में गए हुए थे तो वहां उन्हें देश विरोधी तत्वों द्वारा रवि शुक्ला वापस जाओ और देश विरोधी नारों का सामना करना पड़ा. तब मुख्यमंत्री रविशंकर शुक्ला ने बालासाहब देशपांडे जी के साहस और उनके सेवा भावना को देखकर उस क्षेत्र के जनजाति समाज के बीच काम करने के लिए भेजा. देश विरोधी ईसाई संगठनों के विरोध के बावजूद बालासाहब जी ने वहाँ पर जनजाति समाज के बीच जागरण और सेवा कार्य करके विरोधियों को करारा ज्वाब देते हुए उस क्षेत्र की दशा बदल दी.

राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री श्री रमेश बाबु ने उपस्थित लोगों को संस्थापक बालासाहब जी के द्वारा किये गये जागरण और सेवा कार्यों के बारे में जिक्र करते हुए कहा कि 71 वर्ष कल्याण आश्रम स्थापना के बाद हमें अपने कार्यों की समीक्षा करते हुए बालासाहब जी से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिए. जो समस्या जनजाति समाज के बीच 71 वर्ष पूर्व थी वही स्थिति आज भी जनजाति समाज के बीच बनी हुई है. जनजाति समाज को विरोधियों द्वारा दिगभ्रमित करने का षडयंत्र आज भी चल रहा है. बालासाहब कहा करते थे कि देश विरोधी तत्व सेवा के नाम पर वनवासी बंधुओं के धर्म, संस्कृति और परंपरा को नष्ट कर उन्हें धर्मान्तरित कर रहे हैं. यह षडयंत्र जनजाति संस्कृति के लिए खतरा है, इसे बचाना होगा. बालासाहब के प्रेरणा से आज कल्याण आश्रम जनजाति क्षेत्रों में चौदह हजार स्थानों पर लगभग बीस हजार जागरण और सेवा के प्रकल्प चला रहा है. जिसके चलते जनजाति समाज, कल्याण आश्रम को अपना ही संगठन मानते हुए आज स्वाभिमान के साथ खड़ा है. अपने धर्म-संस्कृति को बचाने के लिए जनजाति समाज आगे आकर स्वयं नेतृत्व करने लगा है.

कार्यक्रम का संचालन श्री बीरेन्द्र सिंह और धन्यवाद ज्ञापन राँची महानगर अध्यक्ष श्री सज्जन सर्राफ ने किया. कार्यक्रम में सर्वश्री पवन मंत्री, रिझु कच्छप, देवनन्दन सिंह, मेघा उरांव, संदीप उरांव, ओमप्रकाष अग्रवाल, अर्जुन राम, सोमा उरांव, निरंजन सर्राफ, श्रीमती संगीता दत्ता और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे.

हजारीबाग : स्थापना दिवस हजारीबाग के पतरातु गांव के पूर्व मुखिया श्री महेन्दर बेक की अध्यक्षता में मनाया गया. कार्यक्रम में श्री चन्देशवर मुंडा, श्री बिणाचंद उरांव तथा गांव के बच्चे एवं महिला-पुरूष उपस्थित रहे.

पश्चिमी सिंहभूम : रामगोपाल रामधनी वनवासी छात्रावास, टोकलो रोड, चक्रधरपुर में जिला सचिव श्री ब्योमकेश गोप द्वारा वनवासी कल्याण आश्रम की विस्तृत जानकारी दी गई. कार्यक्रम में श्री गोपाल मंडल, भूपति शर्मा, माधव झुनझुनवाला और समिति के सदस्यगण व छात्रावास के छात्र उपस्थित रहे.

सिमडेगा : सिमडेगा जिला अंतर्गत ठेठईटांगर प्रखंड के चारमुंडा ग्राम में स्थापना दिवस मनाया गया. इस उपलक्ष पर जरूरतमंदो को कंबल भी दिया गया. कार्यक्रम में सर्वश्री मोतीलाल अग्रवाल, पवन जैन, शंभूलाल अग्रवाल, हर्ष अग्रवाल, राजकिशोर पाहन उपस्थित थे.

गुमला : शबरी आश्रम कन्या छात्रावास तर्री, गुमला के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गुमला महिला थाना प्रभारी सुश्री सुमन कुमारी, श्री आकाश पान्डेय, विशिष्ट अतिथि विश्व हिंदू परिषद के श्री केशवचन्द्र साय, सत्संग प्रमुख श्री सत्यनारायण चण्डीश्वरजी महाराज, श्रीमती सोनामनी उरांव उपस्थित रहे.

सिमडेगा : सिमडेगा जिला अंतर्गत सिमडेगा प्रखंड के डोंगा पानी बाल संस्कार केंद्र में 60 बूढ़े बुजुर्ग विकलांग, असहाय विधवा लोगों को कंबल दिया गया. कार्यक्रम में जिला समिति के उपाध्यक्ष श्री चंदेश्वर मुंडा, सरस्वती कुमारी, चंपा कुमारी और बाल संस्कार केंद्र के आचार्य आदि उपस्थिति रहे.

28 दिसम्बर 23 को पाकरटांड प्रखंड के ग्राम-टकबा मंदिर टोली में स्थापना दिवस श्रीमती संझो देवी, ललिता देवी, बिरसमुनी देवी, ललिता देवी, राधिका देवी, मुन्नी देवी, सुमंगली देवी, बिरसमनी देवी, द्रौपदी देवी की उपस्थित में मनाया गया.

सरायकेला : 29 दिसंबर 2023 को सरायकेला जिला समिति द्वारा स्थापना दिवस के उपलक्ष में कुचाई प्रखंड के बारूहातु पंचायत के जोजोहातु में 12 गांव के बुजुर्ग महिला-पुरूष और दिब्यांगों को 250 कंबल दिया गया. कार्यक्रम में सर्वश्री विजयशंकर मिश्रा, सैलेंद्र सिंह, रामनाथ महतो, दशरथ उरांव, मुखिया रेखा वेद एवं स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे.

रानी मां गाइदिन्ल्यू के जयंती पर नारी शक्ति दिवस मनाया गया

राँची : राँची महिला समिति द्वारा 26 जनवरी को नारी शक्ति दिवस मनाया गया. नागा नेत्री रानी मां गाइदिन्ल्यू के जन्म दिवस 26 जनवरी के अवसर पर प्रत्येक वर्ष वनवासी कल्याण आश्रम द्व ारा सम्पूर्ण भारत में नारी शक्ति दिवस मनाया जाता है जिन्होंने ब्रिटिश शासन के विरूद्ध विद्रोह का नेतृत्व किया था.

इस अवसर पर प्रांत कार्यकारिणी सदस्या श्रीमती प्रतिभा गोयल, राष्ट्र सेविका समिति की प्रांत प्रचार प्रमुख श्रीमती जिज्ञासा ओझा,

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमान सत्येंद्र सिंह और राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री श्रीमान रमेश बाबू ने उपस्थित लोगों को संबोधित किया.

भारत की स्वतंत्रता के लिए रानी मां गाइदिन्ल्यू ने नागालैण्ड में क्रांतिकारी आन्दोलन चलाया था. रानी गाइदिन्ल्यू का जन्म 26 जनवरी 1915 को मणिपुर के तमेंगलोंग जिले के नुंगकाओ गांव में हुआ था. नागा जनजाति की रानी गाइदिन्ल्यू कम उम्र में ही स्वतंत्रता की लड़ाई में कूद पड़ीं थीं. उन्होने अपने भाई कोसिन व हायपोउ जदोनांग के साथ हेराका आंदोलन से जुड़ कर अंग्रेजों को अपनी धरती से खदेड़ने का अभियान चलाया था.

जदोनांग की मृत्यु के बाद आंदोलन का बागडोर रानी ने अपने हाथों में लेकर अपनी संस्कृति, भाषा, अपनी धरती की रक्षा की. अंग्रेज उस क्षेत्र में जबरन धर्म परिवर्तन करवा रहे थे और उन पर अपनी जीवनशैली थोप रहे थे.

गाइदिन्ल्यू का कहना था की ''धर्म को खो देना अपनी संस्कृति को खो देना है, अपनी संस्कृति को खोना यानी अपनी पहचान को खोना.'' 1933 से 1947 भारत की आजादी के बाद तक रानी गाइदिन्ल्यू को जेल में रखा गया ताकि उनका आंदोलन कमजोर पड़ जाए. जब भारत आजाद हुआ तब रानी गाइदिन्ल्यू को भी आजादी मिली.

भारत सरकार ने 1982 में पद्म भूषण से सम्मानित किया. उनके सम्मान में 1996 में एक स्टाम्प, 2015 में एक सिक्का जारी किया गया था. 17 फरवरी, 1993 को रानी गाइदिन्ल्यू का निधन हुआ.

कार्यक्रम में श्रीमती संगीता दत्ता, श्रीमती पूनम गुप्ता, श्रीमती ममता सिन्हा, श्रीमती सीमा अग्रवाल, श्रीमती सरोज गुप्ता, और अन्य लोग उपस्थित थे. मंच संचालन क्षेत्रीय महिला प्रमुख सुलेखा कुमारी ने किया.

प्रांत स्तरीय ग्राम विकास कार्यकर्ता प्रशिक्षण वर्ग संपन्न हुआ

प्रांत मुख्यालय रांची में वनवासी कल्याण केंद्र ग्राम विकास स्वयं सहायता समूह का प्रांत स्तरीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण वर्ग 20 से 22 मार्च तक आयोजित हुआ. इस प्रशिक्षण वर्ग में झारखण्ड के 15 जिलों से कार्यकर्ताओं ने भाग लिया.

इस अवसर पर अ. भा. ग्राम विकास प्रमुख श्री बिंदेश्वर साहु ने कहा कि गांव का जीवन जल, जंगल, पशु आधारित रहा है. गांव में उपलब्ध संसाधनों के मार्यादित दोहन, संग्रहण, प्रबन्धन एवं विपणन की व्यवस्था खड़ी करेंगे तो गांव का विकास जरूर होगा. उन्होंने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का जिक्र करते हुए कहा की परम्परागत कार्य- कुम्भकार, मुर्तिकार, बढ़ईगिरी, लोहारगिरी, सोनार, दर्जी, राजमिस्त्री, नाव, जाल बनाने वाले 18 प्रकार के पारम्परिक कार्यों को बढ़ावा देने के लिए योजना सरकार ने प्रारंभ की है. इन जन-कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों को मिले इसके लिए प्रचार-प्रसार करना हम सभी कार्यकर्ताओं का दायित्व बनता है.

अध्यक्ष डॉ. सुखी उराँव ने कहा कि जनजाति समाज की धर्म-संस्कृति-परम्परा को बचाते हुए उनका सर्वांगीण विकास करना वनवासी कल्याण केन्द्र का लक्ष्य है. इसके लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, अच्छे संस्कार का निर्माण तथा आर्थिक विकास के लिए 14 प्रकार के सेवा कार्य किये जा रहे हैं.

तीन दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग में 15 सत्रों में आर्थिक स्वावलंबन एवं आदर्श ग्राम, एस.एच.जी. का गठन एवं कार्य पद्धति, ग्राम विकास की अवधारणा, ग्राम विकास का सामाजिक प्रभाव, पशुपालन, वृक्षारोपण, जैविक खेती, परम्परागत कृषि पद्धति, सरकार की योजनायें एवं क्रियान्वयन, जनजाति समस्या व समाधान आदि विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया.

इस प्रशिक्षण वर्ग में राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय सत्येन्द्र सिंह, ग्राम विकास संरक्षक माननीय कृपा प्रसाद सिंह का सानिध्य प्राप्त हुआ. श्री बिन्देश्वर साहु के साथ ग्राम विकास के क्षेत्रीय ग्राम विकास प्रमुख श्री राघव राणा, श्री विद्यापति प्रधान, श्री देवाशीष मिश्रा द्वारा भी प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण दिया गया.

जनजाति सुरक्षा मंच द्वारा डीलिस्टिंग रैली का आयोजन

जिन आदिवासियों ने अपना धर्म छोड़ दिया उनका आरक्षण समाप्त हो - श्री कड़िया मुंडा

राँची : जनजाति सुरक्षा मंच द्वारा देश के विभिन्न स्थानों पर डीलिस्टिंग यानि असूचिकरण की मांग को लेकर बड़ी रैलियां करने के बाद झारखण्ड में इस आंदोलन को तेज करने के लिए दुमका मे 16 दिसम्बर और 24 दिसम्बर 2023 को राँची के मोरहाबादी मैदान में उलगुलान आदिवासी डीलिस्टिंग महारैली का आयोजन किया गया. इस महारैली में हजारो की संख्या में जनजाति समाज के लोग झारखण्ड के विभिन्न जिलों से आकर अपनी मांगों को सरकार के समक्ष रखने के लिए उपस्थित हुए. रैली का मुख्य उदेश्य आदि मत या मूल धर्म तथा विश्वासों का परित्याग कर ईसाई या इस्लाम धर्म अपनाये लोगों को अनुसूचित जनजाति का सदस्य नहीं समझा जाये और आरक्षण के लाभ से वंचित किये जाने के लिए था.

मंच के राष्ट्रीय संयोजक और छत्तीसगढ़ के पूर्व मंत्री गणेशराम भगत ने कहा कि धर्मांतरित लोगों से जनजातीय समाज खतरे मे है. वह दीमक की तरह हमारी संस्कृति-परंपरा को नष्ट कर रहे

हैं. श्री भगत ने कहा कि हम नाच, गान, धर्म-संस्कृति छोड़ते जा रहे हैं. केंद्र सरकार को जनजाति से मिशनरी और इस्लाम में गये लोगों का आरक्षण बंद करना होगा.

लोकसभा के पूर्व उपाध्यक्ष पद्म भूषण श्री कड़ीया मुंडा जी ने अपने संबोधन मे कहा कि देश के 700 से अधिक जनजातियों के विकास एवं उन्नति के लिये संविधान निर्माताओं ने आरक्षण एवं अन्य सुविधाओं का प्रावधान किया था. लेकिन आदिवासियों के सुविधाओं का 80 प्रतिशत लाभ आदिवासी रूढ़ि प्रथा छोड़कर ईसाई या मुस्लिम में मतांतरित लोग उठा रहे हैं, मूल जनजाति समुदाय का हक छीन रहे हैं.

मंच के राष्ट्रीय सह संयोजक श्री राजकिशोर हांसदा ने कहा कि आदिवासी समाज की यह मांग बहुत पुरानी है इसके लिए स्व. कार्तिक उराँव जी ने इस मांग को सांसद रहते देशभर के सांसदो के हस्ताक्षर के साथ संयुक्त संसदीय समिति के समक्ष रखा था ताकि जिसने जनजाति आदि मत तथा विश्वासों का परित्याग कर दिया है और ईसाई या इस्लाम धर्म अपना लिया है उसे अनुसूचित जनजाति का सदस्य नहीं समझा जायेगा और उसे अनुसूचित जनजाति का आरक्षण नहीं मिलेगा.

मध्य प्रदेश के पूर्व न्यायाधीश श्री प्रकाश सिंह उईके ने कहा कि भीमराव अंबेडकर जी ने संविधान के अनुच्छेद-341 में अनुसूचित जाति के लिए व्यवस्था की है कि जो अनुसूचित जाति के लोग मुस्लिम या ईसाई धर्म ग्रहण करेंगे उसे अनुसूचित जाति का लाभ नहीं मिलेगा। जब मुस्लिम या ईसाई बनने पर अनुसूचित जाति की पहचान मिट जा रही है, ऐसे में आदिवासी की पहचान भी ईसाई या मुस्लिम धर्म में जाने पर उसकी आदिवासी की पहचान मिट जाती है.

डॉ0 दिवाकर मिंज ने कहा कि 1765 में अंग्रेज देश में आये. उन्होने यहां के आदिवासियों को इसाई बनाने का प्रयास किया. सफलता नही मिलने पर इतिहास मे छेड़छाड़ करके पादरियों द्वारा लिखित इतिहास मे बताया गया कि आदिवासियों का कोई धर्म नही है. उनको पता नही था कि हमारा धर्म काफी समृद्ध है. झारखंड के प्रायः सभी मंदिरों में बलि का प्रावधान है यह आदिवासियों की परंपरा ही है. हम लोग अपने हक और पहचान के लिए लड़ते रहे हैं और आदिवासियत की पहचान को बचाने के लिए डीलिस्टिंग भी करवा कर ही रहेंगे.

झारखंड आदिवासी सरना विकास समिति के अध्यक्ष श्री मेघा उरांव ने कहा कि धर्मान्तरित लोग डीलिस्टिंग के डर से आदिवासियों की परंपरा, रीति-रिवाज की बात करने लगे हैं और कहते हैं की हम एक ही माता-पिता की दो संताने हैं हमारा खून एक है हमने धर्म बदला है पर जाति नहीं. हमें आपस में लड़वाया जा रहा है तो वैसे लोगों को मैं याद दिलाना चाहता हूँ की नेमहा बाइबिल में आदिवासियों के पूजा स्थल को टुकड़े-टुकड़े करने, जलाने और नष्ट करने की बात क्यो कही गई है. मरियम को आदिवासी महिला के रंग रूप, वेशभूषा में मूर्ति बनाकर विवाद किसने खड़ा किया. ये लड़वाने का काम हम नहीं बल्कि लड़वाने का काम चर्च मिशनरियों द्वारा हो रहा है. अब बहुत हो गया आदिवासी समाज जाग उठा है. धर्म परिवर्तित लोगों का डीलिस्टिंग तो होकर ही रहेगा. डीलिस्टिंग से पहले जिनको अपने मूल धर्म में घर वापसी करना है उनका स्वागत किया जाएगा.

रैली को श्रीमती रोशनी खलखो, श्री जगरनाथ भगत ने भी संबोधित किया सभी वक्ताओं ने एक मत में कहा की मतांतरण के बाद जो आदिवासी ईसाई या मुसलमान बन गए हैं उन्हे अल्पसंख्यक श्रेणी का लाभ मिलना चाहिये ना कि अनुसूचित जनजाति श्रेणी का. राजनैतिक दल अनुसूचित जनजातियों के लिये आरक्षित सीट पर धर्मान्तरित व्यक्ति को टिकट नहीं दें. इसके लिए संविधान मे संशोधन की मांग भी उठाई गई.

रैली का मंच संचालन जनजाति सुरक्षा मंच के क्षेत्रीय संयोजक श्री संदीप उराँव ने और धन्यवाद ज्ञापन प्रदेश मीडिया प्रभारी श्री सोमा उराँव ने किया. इस अवसर पर हजारो जनजाति बंधुओं के साथ विशेष रूप से राष्ट्रीय केन्द्रीय टोली सदस्य श्री सत्येन्द्र सिंह खेरवार, श्री जगलाल पाहन, सुश्री ललिता मुर्मू, हिन्दुवा उराँव, अंजली लकड़ा, राजू उराँव, श्री देवव्रत पाहन, बबलू मुंडा, मनोज लियांगी, सन्नी उराँव, श्रीमती आरती कुजूर उपस्थित थे.

रोजगार सृजन कार्यशाला का आयोजन किया गया

लेहरदगा : 12 दिसम्बर को रोजगार सृजन कार्यशाला का आयोजन वनवासी कल्याण केन्द्र के लोहरदगा केन्द्र में किया गया.

कार्यशाला का आधार पत्र प्रस्तुत करते हुए श्री सिद्धिनाथ सिंह ने वनवासी कल्याण केन्द्र को रोजगार सृजन केन्द्र प्रारंभ करने में अग्रणी भूमिका निभाने का आग्रह किया. उन्होने इस क्षेत्र के वनोत्पादों के साथ मोटे अनाज- मडूआ (रागी), मकई, ज्वार आदि अनों में गुणात्मक मूल्यवर्धन करते हुए रोजगार सृजन पर बल दिया. साथ ही युवक-युवतियों को कृषि विकास का तकनीकी प्रशिक्षण, मोटर साईकिल मरम्मत, सौर्य ऊर्जा एवं पलम्बर आदि के प्रशिक्षण देने के लिए अपना सुझाव दिया.

पतंजलि के कृषक प्रकोष्ठ के प्रभारी श्री करम कोयरी ने अपना विषय प्रस्तुत करते हुए इस क्षेत्र में औषधीय पौधे एलोबीरा, तुलसी, कालमेघ, सदाबहार, सतावर, अश्वगंधा, पारिजात इत्यादि की खेती करने पर ध्यानाकृष्ट किया. इसके साथ ही परम्परागत अनाजों का संग्रहण कर उपचारित बीजों से जैविक कृषि पर बल दिया.

आई.आई.टी. कौशल केन्द्र के श्री तरूण कुमार ने राँची में चल रहे बेकरी प्रशिक्षण, इलेक्ट्रॉनिक एवं मैकेनिकल प्रशिक्षण तथा होटल प्रबंधन की जानकारी दी.

झारखण्ड स्टेट टूल रूम, राँची के प्रींसिपल श्री एस.के. गुप्ता ने अपने संस्थान की जानकारी देते हुए कहा कि 30 युवक-युवतियों का बैच छः माह के मैकेनिकल एवं इलेक्ट्रीकल प्रशिक्षण के साथ फेब्रीकेशन का प्रशिक्षण लेता है, झारखण्ड स्टेट टूल रूम में दोना, पत्तल, टेबूल पेपर, वाटर बोतल तथा होजयरी (पोषाक) बनाने का प्रशिक्षण भी दिया जाता है.

प्रांत संघचालक सह सिविल इंजिनियर श्री सच्चिदानन्द लाल जी ने लोहरदगा क्षेत्र के युवक-युवतियों को संघ कार्य में लगे स्वयंसेवकों के माध्यम से रोजगार के लिए प्रेरित करने एवं रोजगार सृजन केन्द्र का संचालन करने में सहयोग करने के लिए कहा.

कार्यशाला में लोहरदगा जिला के भण्डरा, सेन्हा, लोहरदगा, किस्को प्रखण्ड के अलावे गुमला तथा चतरा के 52 उद्यमियों ने रोजगार सृजन कार्यशाला में भाग लिया तथा अपने अनुभव प्रस्तुत किये.

नाबार्ड के जिला प्रबन्धक (डी.डी.एम.) श्री संजय कुमार त्रिवेदी ने उद्यमियों को नाबार्ड द्वारा किये जा रहे फलोद्यान, कृषक उत्पाद संगठन, जल प्रबन्धन, ए.बी.डी.पी. एवं जनजातीय परिवारों के लिए बाड़ी योजना के सम्बन्ध में जानकारी दी.

श्री कृपा प्रसाद सिंह, संरक्षक ग्राम विकास अ.भा. कल्याण आश्रम और बी.एस. कॉलेज, लोहरदगा के प्राचार्य और स्वावलम्बी भारत अभियान के अध्यक्ष श्री शषि प्रसाद गुप्ता ने भी इस अवसर पर उपस्थित रहकर सभी का उत्साहवर्धन किया.

निर्माण निःशुल्क कोचिंग संस्थान के आठवें सत्र का शुभारंभ

राँची : प्रतिभावान निर्धन छात्र वर्ग के लिए प्रशासनिक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए वनवासी कल्याण केंद्र द्वारा संचालित निर्माण कोचिंग के आठवें सत्र का शुभारंभ 16 जनवरी को हुआ. निर्माण कोचिंग संस्थान का संचालन वर्ष 2016 से जनजाति विद्यार्थियों के साथ अन्य वर्ग के प्रतिभावान निर्धन वर्ग के विद्यार्थियों के लिए किया जा रहा है. निर्माण कोचिंग संस्थान में जेपीएससी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी हेतु निःशुल्क कोचिंग अनुभवी शिक्षकों द्व ारा दी जाती है. पूर्व के सत्रों में अब तक 210 प्रतिभावान विद्यार्थियों का चयन कर निशुल्क कोचिंग दी जा चुकी है, जिसमे 41 छात्र प्रशासनिक और अन्य सरकारी सेवा में चयनित हुए हैं. वर्तमान सत्र में कोचिंग कक्षाएं ऑफलाइन के अलावा ऑनलाइन भी चलाई जाएंगी ताकि रांची के अलावा अन्य जिलों के विद्यार्थियों को भी इसका लाभ मिल सके. जरूरतमंद छात्र वनवासी कल्याण केंद्र के वेबसाइट www.vanvasikalyankendra.org पर इसकी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं.

नए सत्र के शुभारंभ के अवसर पर सर्वश्री देवब्रत पाहन, पवन मंत्री, हीरेंद सिन्हा, ओमप्रकाश अग्रवाल, के के सिन्हा, शिवेंदु माणिक, सुशील मरांडी, डॉ. प्रियंका मिश्रा, संतोष शर्मा, अमन शर्मा के साथ अन्य गणमान्य और वर्तमान सत्र के विद्यार्थी उपस्थित रहे.

युवा दिवस सह ग्रामोत्सव मनाया गया

गांव की रूढ़ि संस्कृति श्रेष्ठ भारतीय संस्कृति है जिसे बचाना हम सबका कर्तव्य है- श्री अजय कुमार

गुमला : 12 जनवरी 2024 को रायडीह प्रखण्ड के कोण्डरा पंचायत अंतर्गत राझावन ग्राम एकल विद्यालय में स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर युवा दिवस सह ग्रामोत्सव कार्यक्रम धूमधाम के साथ मनाया गया.

इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र सेवा प्रमुख माननीय अजय कुमार जी, वनवासी कल्याण केन्द्र, गुमला के अध्यक्ष श्री बिसू सोरेंग, सह सचिव श्री अशोक साहू, कोण्डरा पंचायत के मुखिया श्री लंकेश चीक बड़ाईक, श्री बहादूर सिंह एवं समिति के गणमान्य सदस्यों के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया.

श्री अशोक साहू ने कहा कि वनवासी कल्याण केन्द्र क्षेत्र में कई प्रकार के सेवा प्रकल्पों के माध्यम से जनजाति समाज के धर्म, संस्कृति, परंपरा, रीति-रिवाज का संरक्षण, संवर्धन करते हुए सर्वांगीण विकास करने का कार्य कर रहा है. एकल विद्यालय योजना प्रमुख श्री कामेश्वर साहू ने वनवासी कल्याण आश्रम के स्थापना, कार्य, एवं उद्देश्य के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में जागृति लाने का कार्य भी किया जा रहा है.

युवा दिवस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मा. अजय कुमार जी ने स्वामी विवेकानंद जी के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए कहा कि हमें अपने जीवन में स्वामी विवेकानंद के बताए मार्ग एवं ध्येय वाक्य ''उठो जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक रूको नही'' इसे चरितार्थ करने की आवश्यकता है. उन्होंने कहा कि गांव की रूढ़ि संस्कृति श्रेष्ठ भारतीय संस्कृति है जिसे बचाना हम सबका कर्तव्य है. भारतीय संस्कृति को स्वामी जी ने विदेश में भी उच्च स्थान प्राप्त कराया. उन्होंने कहा कि किसी के बहकावे में आकर आप अपने श्रेष्ठ संस्कृति, सभ्यता को न भूलें न छोड़ें

प्रांत स्तरीय प्रश्न मंच प्रतियोगिता

जीवन और राष्ट्र के विकास के लिए शिक्षा सर्वोपरि- श्री सीताराम भगत

गुमला : दिनांक 23 नवरी 2024 को सरस्वती शिशु मंदिर, कुम्हारी में वनवासी कल्याण केन्द्र से सम्बद्ध श्रीहरि वनवासी विकास समिति द्वारा संचालित शिशु एवं विद्या मंदिर के छात्रों का प्रांतीय प्रश्न मंच प्रतियोगिता सम्पन्न हुआ. इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री सीताराम भगत, कार्यकारिणी सदस्य, विशिष्ट अतिथि रातु के पूर्व मुखिया श्री राजेद्र खलखो थे.

श्री सीताराम भगत ने कहा कि जीवन और राष्ट्र के विकास के लिए शिक्षा सर्वोपरि है. शिक्षा के बल पर ही अमेरिका जैसे विकसित देशों में भारत के विद्यार्थी उच्च पदों एवं सत्ता पर विद्यमान हैं. प्रश्न मंच प्रतियोगिता जैसे कार्यक्रम बच्चों के बौद्धिक व मानसिक विकास में सहायक सिद्ध होते हैं.

इस अवसर पर शिक्षा प्रमुख श्री सुभाष चन्द्र दुबे ने नेता जी सुभाष चन्द्र बोस जयंती पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नेता जी जैसे महान विभूति के आदर्शों से हमे प्रेरणा लेनी चाहिए. अपने देश की संस्कृति एवं धरोहरों का संरक्षण एवं संवर्धन करने पर जोर देना चाहिए.

इस प्रतियोगिता में शिशु मंदिर स्तर पर चयनित 11 विद्यालयों ने हिस्सा लिया जिसमें प्रथम स्थान सलडेगा, द्वितीय स्थान डुमरी एवं तृतीय स्थान पावरगंज विद्यालय ने प्राप्त किया. विद्या मंदिर स्तर पर चयनित कुल 17 विद्यालय की टीमों ने हिस्सा लिया जिसमें प्रथम स्थान बसिया, द्वितीय स्थान चन्द्री एवं तृतीय स्थान लचरागढ़ विद्यालय ने प्राप्त किया.

कार्यक्रम में सर्वश्री देवनारायाण साहु, सुदन साहु, शिवराज साहु, बालेश्वार साहु, वीर वंशीपाल बड़ाईक, कृष्णा साहु, श्रीमती पार्वति देवी, जलेश्वर साहु, जनक साहु, विद्यालयों के निरीक्षक, आचार्य-प्रधानाचार्य, अभिभावक आदि उपस्थित रहे.

औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यशाला

गुमला : 24 से 28 जनवरी 2024 तक गुमला जिला के रायडीह प्रखण्ड अन्तर्गत ग्राम सुगाकाटा में 5 दिवसीय औद्योगिक (रोजगार युक्त) प्रशिक्षण सम्पन्न हुआ. संकुल ग्राम सुगाकाटा में ग्रामीणों को रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से दिसम्बर एवं जनवरी माह में नाबार्ड के सौजन्य से मुर्गी एवं बकरी पालन प्रशिक्षण तथा लाह प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित कर ग्रामीणों को प्रशिक्षित किया गया. इस अवसर पर अ. भा. ग्राम विकास प्रमुख श्री बिन्देश्वर साहु ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपने गांव को पूर्ण रोजगारयुक्त, शोषणमुक्त, व्यसनमुक्त, अनाजयुक्त बनाकर स्वाभिमान के साथ धर्म-संस्कृति, परम्परा का पालन करते हुए आदर्श ग्राम स्थापित करना है. लाह प्रोसेसिंग एवं स्टोरेज के लिए गुमला प्रशासन ने भवन निर्माण की स्वीकृति भी प्रदान की है.

रांची महानगर समिति द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया गया

नर सेवा ही नारायण सेवा है - श्री सज्जन सर्राफ

खूंटी : 18 फरवरी को तोरपा प्रखण्ड के तपकरा स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में रांची महानगर समिति के तत्वावधान में 301वां निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में रांची के चिकित्सक दल ने 335 रोगियों की निशुल्क जांच की और उन्हे निशुल्क दवा का वितरण किया. शिविर के उदघाटन अवसर पर महानगर समिति के अध्यक्ष श्री सज्जन सर्राफ ने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है, हमे जरूरतमंद लोगों की सेवा करके आत्मिक सुख की अनुभूति होती है. उपाध्यक्ष श्री ओमप्रकाश अग्रवाल ने जानकारी दी कि निशुल्क चिकित्सा शिविर या अन्य सेवाएं वनवासी कल्याण केन्द्र समाज के सहयोग से ही करता है उसी तरह इस शिविर के लिए भी आर्थिक सहयोग श्री पुरूषोत्तम लोहिया ने अपने पूज्य माता गिनिया देवी जी और पूज्य पिता

श्रद्धेय कन्हैयालाल लोहिया जी की स्मृति मे प्रदान किया है.
महासचिव श्री निरंजन सर्राफ ने बताया कि शिविर पिछड़े ग्रामीण क्षेत्रों में लगाया जाता है. ताकि गांव के उन लोगों को स्वास्थ्य लाभ मिल सके जहां स्वास्थ्य सेवाओं की जरूरत है. शिविर में 125 जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल वितरण भी किया गया.
चिकित्सा शिविर को सफल बनाने के लिए श्री किशोरी लाल चौधरी, श्री कृपा प्रसाद सिंह, श्री रामेश्वर उरांव, श्री रमेश बाबू, श्री ओमप्रकाश प्रणव, श्री निर्मल बुधिया, श्री हीरेंद्र सिन्हा, श्री रामचंद्र शर्मा, श्री कैलाश शर्मा, श्री बेनी प्रसाद अग्रवाल, श्री जयमंगल गुड़िया और अन्य स्थानिय कार्यकर्ताओ का सहयोग प्राप्त हुआ.
इसी तरह मेसर्स के. पांडे एण्ड कंपनी के श्री मंजीत कुमार वर्मा द्वारा दिये गये आर्थिक सहयोग से रांची के नगड़ी प्रखण्ड अन्तर्गत कोलंबी गांव में 302वां निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया गया. इस शिविर में भी लगभग 372 मरिजों को चिकित्सकीय सलाह देकर निःशुल्क दवा दी गई. यहां 80 जरूरतमंद लोगों को कंबल दिया गया।
शिविर में डॉ. उमेश प्रसाद जायसवाल, डॉ. अरूण कुमार सिंह, डॉ. आनंद राज गुप्ता, डॉ. सुरजीत कुमार ने अपनी सेवाएं प्रदान की आंखों की जांच के लिए भगवान महावीर जैन आंख अस्पताल रांची के श्री विजय जैन अपनी टीम के साथ उपस्थित थे.
इसके पूर्व 28 जनवरी 2024 को भी रांची, कांके प्रखण्ड के बेंती में 300वां निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया. जिसमें 276 रोगियों को जांचोपरांत निशुल्क दवा उपलब्ध करवाई गई. इस शिविर के लिए सहयोग राशि स्टुडेंट बुक डिपो, कुंजलाल स्ट्रीट, रांची द्वारा स्व0 नन्दकिशोर लाल साहु के पूण्य स्मृति में प्राप्त हुआ था.

बिरसा नेत्रालय, लोहरदगा :- बिरसा नेत्रालय में दिसम्बर 2023 से मार्च 2024 तक 632 लोगों के नेत्र की जांच कर 182 रोगियों का डॉ दीपक लकड़ा द्वारा मोतियाबिंद का ऑपरेशन किया गया. सभी जांच, दवा और ऑपरेशन रोगियों को निशुल्क सेवा देकर उपलब्ध करवाई गई. जांच शिविर को सफल बनाने में डॉ0 नन्दा प्रसाद सिंह, रितु कुमारी, ब्रजमणी पाठक, बसंती देवी और स्थानीय समिति के सदस्यों का सहयोग प्राप्त हुआ.

रायडीह वनोत्पादक सहयोग समिति लिमिटेड का उद्घाटन

हमारा समाज विकास की ओर बढ़े ताकि पलायन पर अंकुश लग सके- श्री पुनीत लाल

गुमला : रोजगार सृजन केन्द्र, गुमला के अंतर्गत रायडीह प्रखंड के सभी 13 पंचायतों के लगभग 135 सदस्यों को मिलाकर रायडीह वन उत्पादक सहयोग समिति लिमिटेड का सामुदायिक भवन रायडीह में उद्घाटन हुआ. इस अवसर पर अध्यक्षीय उद्बोधन करते हुए श्री पुनीत लाल ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप सभी के अथक प्रयास एवं सहयोग से ही आज यह (को-ऑपरेटिव) वन उत्पादक सहयोग समिति लिमिटेड का शुभारंभ हो पाया है. हम सभी मिलकर इस कार्य में सहयोग प्रदान करें ताकि हमारा समाज विकास की ओर बढ़े तथा पलायन पर अंकुश लग सके. इस अवसर पर सहयोग समिति के प्रस्तावना को जिला रोजगार सृजन केन्द्र, गुमला के प्रमुख सह नवोत्पाद सहयोग समिति लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री सुरेंद्र प्रसाद गुप्त के द्वारा प्रस्तुत किया गया.

उदघाटन कार्यक्रम में श्री बिसू सोरेंग, श्री विजय उरांव, प्रखण्ड पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. तेज नारायण गुरू, उद्योग विभाग के प्रखंड कार्यक्रम समन्वयक श्री हरे कृष्णा साहू, वन विभाग रायडीह के एस बी ओ श्री मुनेश्वर राम, प्रखंड प्रमुख श्रीमती ममता सोरेंग, थाना प्रभारी श्री कुंदन कुमार सिंह, मुखिया श्रीमती तारामणि सोरेंग, गीता देवी , सुशीला देवी, सुषमा देवी, सविता देवी, बसंती देवी प्रमुख रूप से उपस्थित थे.

टी.एल.एम. मेला में सलडेगा विद्यालय के आचार्य श्री मनोज कुमार को द्वितीय स्थान

सलडेगा : जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, सिमडेगा में जिला शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित टीचर लर्निंग मटेरियल मेला में सरस्वती शिशु/विद्या मंदिर, सलडेगा विद्यालय के आचार्य को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ. विद्यालय का नाम रोशन करने और उनकी उपलब्धी पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री जितेंद्र कुमार पाठक ने कार्यक्रम आयोजित कर आचार्य श्री मनोज कुमार को सम्मानित किया.

कार्यकर्ता परिचय वर्ग संपन्न हुआ

निश्चितपुर : 18-22 फरवरी 2024 को जमशेदपुर विभाग में कार्यकर्ता परिचय वर्ग दीनदयाल सरस्वती विद्या मंदिर, निश्चितपुर में सम्पन्न हुआ. परिचय वर्ग का उद्घाटन प्रांत संगठन मंत्री श्री देवनन्दन सिंह एवं विद्यालय समिति के अध्यक्ष श्री रामेश्वर तैसूम (सेवानिवृत पुलिस पदाधिकारी) ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया.

परिचय वर्ग में वनवासी कल्याण आश्रम के स्थापना, उद्देश्य, कल्याण आश्रम के द्वारा संचालित विभिन्न आयामों के सेवा कार्यों तथा पूज्य बालासाहब देशपांडे जी के जीवन चरित्र को विस्तार पूर्वक बताया गया. कार्यकर्ताओं का सांगठनिक जीवन कैसा हो इस बारे में भी जानकारी दी गई. पांच दिनों में कुल 25 सत्र हुए. परिचय वर्ग में उपस्थित कार्यकर्ताओं को अखिल भारतीय उपाध्यक्ष मा. सत्येन्द्र सिंह, सह-संगठन मंत्री मा. रमेश बाबु, डॉ. राजकिशोर हांसदा, सुश्री ललिता मुर्मू जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ. वर्ग में पश्चिम सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम एवं सरायकेला जिला के कुल 39 (31 महिला एवं 8 पुरूष) कार्यकताओं ने भाग लिया.

वर्ग के सफल संचालन में श्री कामेश्वर साहु, डोमनचन्द्र महतो, राजेन्द्र बड़ाईक, प्रदीप कुमार महतो, सुश्री ललिता कुमारी, प्रमोथ नाथ, दयाशंकर सिंह, घनेश्याम रजवार, अनिल महतो, सनिका मुण्डा की प्रमुख भूमिका रही.

ज्योत्स्ना पत्रिका के 15वें अंक का विमोचन किया गया

नवडीहा : 10 मार्च से आयोजित श्रीहरि वनवासी विकास समिति द्वारा तीन दिवसीय प्रधानाचार्य सह समिति बैठक सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, नवडीहा के उदघाटन सत्र में वार्षिक पत्रिका ज्योत्स्ना के 15वें अंक का विमोचन किया गया. पत्रिका में शिशु और विद्या मंदिर के बच्चों के साथ आचार्यो, समिति के सदस्यों और अभिभावको द्वारा लिखित लेख, कविता, संस्मरण, उपलब्धियों इत्यादि का प्रभावी संकलन है. उदघाटन सह पत्रिका विमोचन के अवसर पर अखिल भारतीय शिक्षा प्रमुख माननीय पी0 वी0 राधाकृष्णन, संरक्षक माननीय कृपा प्रसाद सिंह, क्षेत्रीय शिक्षा प्रमुख श्री वीरेन्द्र शर्मा, सह मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, अध्यक्ष श्री श्याम बिहारी शुक्ल, सचिव श्री अखिलेश्वर साहू के अलावा 67 स्थानों से 69 प्रधानाचार्य, 20 स्थानों से 33 समिति सदस्य एवं अन्य लोग उपस्थित रहे.

श्री सत्येंद्र सिंह वनवासी कल्याण आश्रम के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष बने

जशपुर नगर (छ.ग.) 1 मार्च 2024 को जशपुर नगर में संपन्न कल्याण आश्रम की साधारण सभा में श्री सत्येंद्र सिंह अध्यक्ष के रूप में चुने गए. पिछली कार्यकारिणी का कार्यकाल पूर्ण होने पर नए राष्ट्रीय कार्यकारिणी के लिए चुनाव हुआ. माननीय सोमयाजुलू इस चुनाव प्रक्रिया में चुनाव अधिकारी के रूप में उपस्थित रहे.

चुने गए 13 सदस्यों में से श्री सत्येन्द्र सिंह को सर्व सम्मति से राष्ट्रीय अध्यक्ष और श्री योगेश बापट को महामंत्री के रूप में चुना गया. श्री एच. के. नागु (तेलंगाना) और श्री तेची गुबिन (अरूणाचल) उपाध्यक्ष, श्री विष्णुकांत (दिल्ली), श्री रामेश्वर राम भगत (जशपुर) संयुक्त महामंत्री होंगे. श्री महेश मोदी (कोलकाता) को कोषाध्यक्ष का दायित्व दिया गया.

कार्य समिति में डॉ. रेखा नागर (इंदौर, म.प्र.), डॉ. माधवी देवबर्मन (दिल्ली), श्री राम बाबूजी (हरियाणा), श्री शांताराम सिद्दी (कर्नाटक), श्री परमेश्वर मुर्मू अ. भा. कार्यकारिणी के सदस्य के रूप में चुने गए. श्री भगवान सहाय अ. भा. कार्यकारिणी में सह-संगठन मंत्री का कार्यभार संभालेंगे. राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री अतुल जोग एवं सह-संगठन मंत्री श्री रमेश बाबू निमंत्रित सदस्य रहेंगे.

संपादक : सुनील कुमार सिंह, मो.: 9431382445, प्रकाशक : प्रचार-प्रसार विभाग, वनवासी कल्याण केन्द्र, 32, आरोग्य भवन-1, बरियातु रोड, राँची-834009
दूरभाष : 0651-2540594 | Email :vanvasi@hotmail.com | Web : vanvasikalyankendra.org